प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना

प्रिलिम्स के लिये:

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY), नीली क्रांति, किसान क्रेडिट कार्ड

मेन्स के लिये:

भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र, भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र में सुधार के लिये उठाए गए कदम

चर्चा में क्यों?

प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY), **कार्यान्वयन के चौथे वर्ष में प्रवेश कर रही है।** ऐसे में मत्स्य पालन विभाग योजना के कार्यान्वयन की गति में तीव्रता लाने की योजना बना रहा है।

- इस योजना के भाग के रूप में, विभाग ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (UT) के साथ समीक्षा बैठकों की एक शृंखला निर्धारित की है। इसकी **प्रथम समीक्षा बैठक हाल ही में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र (NER) में संपन्न हुई।**

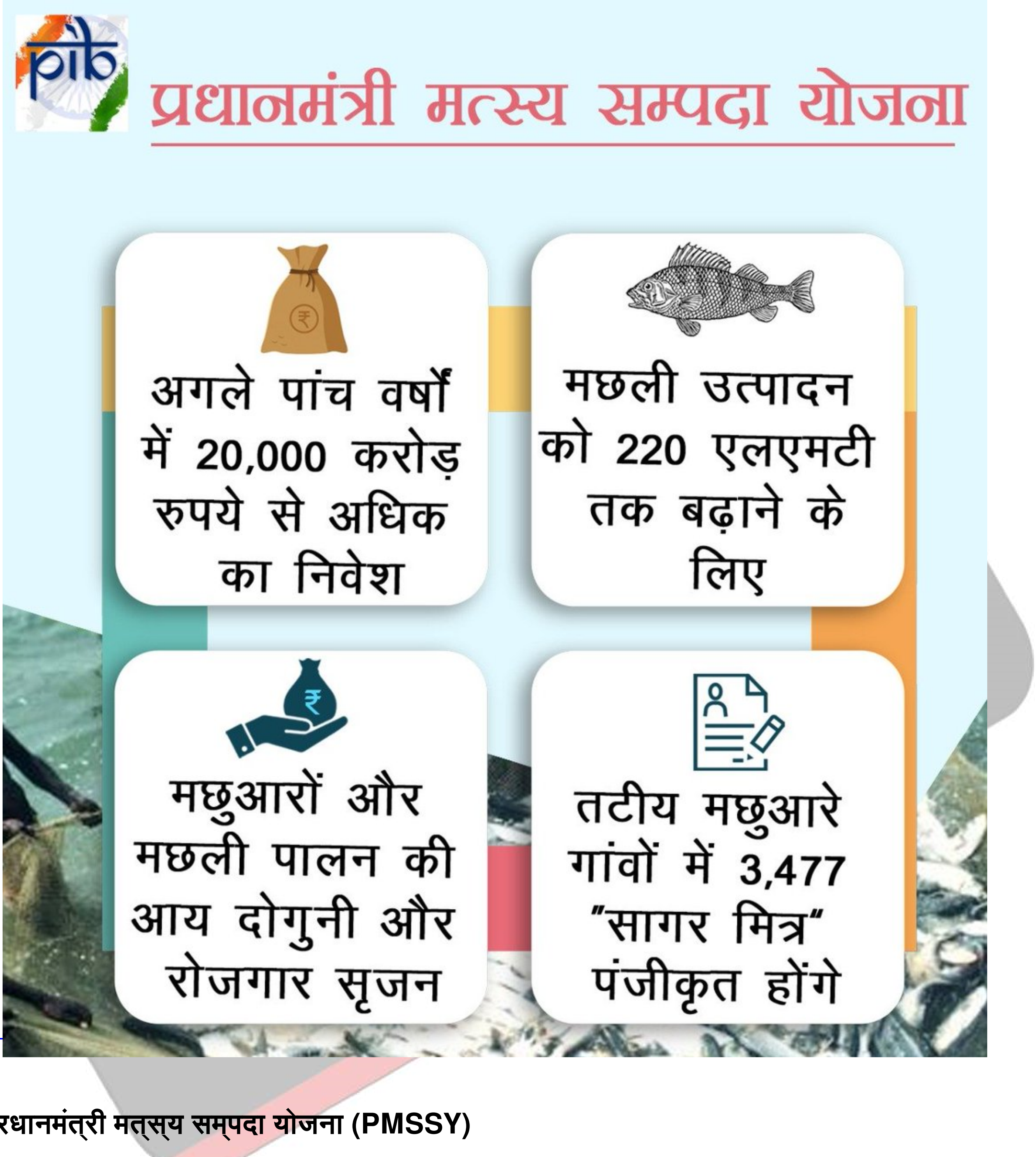
pib
प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना
अगले पांच वर्षों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश
₹
मछली उत्पादन को 220 एलएमटी तक बढ़ाने के लिए
₹
मछुआरों और मछली पालन की आय दोगुनी और रोजगार सृजन
तटीय मछुआरे गांवों में 3,477 "सागर मित्र" पंजीकृत होंगे

//

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMSSY)

- **परिचय:**
    - इसका उद्देश्य भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत् और ज़िम्मेदार विकास के माध्यम से नीली क्रांति **लाना है।**
    - PMMSY को 20,050 करोड़ रुपये के निवेश के साथ'आत्मनिर्भर भारत' के **हिस्से के रूप में पेश** किया गया था। जो **इस क्षेत्र में अब तक का सबसे अधिक निवेश है।**
        - यह योजना **वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक 5 वर्षों की अवधि के लिये सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में लागू की जा रही है।**
    - संस्थागत ऋण तक पहुँच को सुविधाजनक बनाने हेतु **मछुआरों को बीमा कवरेज, वित्तीय सहायता और किसान क्रेडिट कार्ड (KCC)** की सुविधा भी प्रदान की जाती है।
- **कार्यान्वयन:**
    - **इसे दो अलग-अलग घटकों के साथ एक अम्ब्रेला योजना के रूप में लागू किया गया है:**
        - **केंद्रीय क्षेत्र योजना:** इस परियोजना की लागत केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी।
        - **केंद्र प्रायोजित योजना:** सभी उप-घटक/गतिविधियाँ राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा कार्यान्वित की जाएंगी और लागत केंद्र

एवं राज्य के बीच साझा की जाएगी।

- **उद्देश्य:**
    - **मत्स्य पालन क्षेत्र की क्षमता का टिकाऊ**, उत्तरदायी, समावेशी और न्यायसंगत तरीके से उपयोग करना।
    - भूमि और जल के विस्तार, सघनीकरण, विविधीकरण और उत्पादक उपयोग के माध्यम से **मत्स्य उत्पादन तथा उत्पादकता बढ़ाना।**
    - फसल कटाई के बाद **प्रबंधन और गुणवत्ता में सुधार सहित मूल्य शृंखला** को आधुनिक एवं मज़बूत बनाना।
    - मछुआरों और मत्स्य किसानों की आय दोगुनी करना **तथा सार्थक रोज़गार के अवसर उत्पन्न करना।**
    - **कृषि सकल मूल्य वर्द्धित (Gross Value Added- GVA) और निर्यात में मत्स्य पालन क्षेत्र** का योगदान बढ़ाना।
    - मछुआरों और मत्स्य किसानों हेतु **सामाजिक, भौतिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना।**
    - **मज़बूत मत्स्य पालन प्रबंधन और नियामक ढाँचा** स्थापित करना।
- **महत्त्व:**
    - **भारतीय अर्थव्यवस्था में मत्स्य पालन क्षेत्र महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।** यह राष्ट्रीय आय, निर्यात, खाद्य और पोषण सुरक्षा के साथ-साथ रोज़गार सृजन में योगदान देता है।
        - **यह क्षेत्र प्राथमिक स्तर पर 2.8 करोड़ से अधिक मछुआरों** और इस क्षेत्र से जुड़े कई अन्य लोगों को आजीविका प्रदान करता है।
    - यह देश की **आर्थिक रूप से वंचित आबादी के एक बड़े हिस्से** के लिये **आय का एक प्रमुख स्रोत** है।
        - मछली उत्पादन में सुधार के लिये एकीकृत मछली पालन और मछली उत्पादन में विविधता लाना आवश्यक है।
    - इसके अतिरिक्त **विदेशी मुद्रा आय में मत्स्य पालन क्षेत्र का प्रमुख योगदान** रहा है, **भारत विश्व के अग्रणी समुद्री खाद्य पदार्थ (Seafood) निर्यातकों में से एक** है।
        - वित्त वर्ष 2020 में **देश के कुल मत्स्य निर्यात में जलीय कृषि उत्पादों का हिस्सा 70-75%** था।
- **उपलब्धियाँ:**
    - PMMSY के तहत **वर्ष 2020-21 से वर्ष 2022-23 तक 14,654.67 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंज़ूरी** दी गई है।
        - **वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान मछली उत्पादन 16.25 मिलियन मीट्रिक टन के अब तक के सबसे उच्च** स्तर पर पहुँच गया, जिसमें **समुद्री निर्यात 57,586 करोड़ रुपए** का था।
            - विश्व स्तर पर तीसरे सबसे बड़े मछली उत्पादक और दूसरे सबसे बड़े जलीय कृषि उत्पादक के रूप में भारत में मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि उद्योग प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं।

नोट:

- **जलीय खेती/एक्वाकल्चर** से तात्पर्य **सभी प्रकार के जलीय वातावरण में रहने** वाली मछली, शंख, शैवाल और अन्य जीवों के प्रजनन, पालन तथा उत्पादन से है, जबकि कृत्रिम तरीकों से मछली के प्रजनन, पालन और प्रत्यारोपण **मत्स्य पालन** कहा जाता है।

योजना के कार्यान्वयन में चुनौतियाँ:

- **अवसंरचनात्मक और तकनीकी अंतराल:**
    - मत्स्य पालन क्षेत्र को मछली उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन एवं विपणन हेतु पर्याप्त बुनियादी ढाँचे तथा प्रौद्योगिकी की कमी का सामना करना पड़ता है।
- **मानव संसाधन विकास का अभाव:**
    - मत्स्य कृषकों और मछुआरों के लिये कुशल एवं प्रशिक्षित जनशक्ति तथा सेवाओं में विस्तार की कमी इस क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं, नवाचारों एवं मानकों को प्रभावित करती है।
- **वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा:**
    - मत्स्य कृषकों और मछुआरों के लिये समय पर ऋण तथा बीमा की अपर्याप्त पहुँच का कारण उन्हें प्राकृतिक आपदाओं, बीमारियों, बाज़ार में उतार-चढ़ाव आदि जैसे विभिन्न जोखिमों एवं कमज़ोरियों का सामना करना पड़ता है।
- **विनियामक और कानूनी अनुपालन:**
    - मत्स्य पालन क्षेत्र को मछली पकड़ने के अधिकार, लाइसेंस, कोटा, संरक्षण उपाय, गुणवत्ता नियंत्रण आदि जैसे मत्स्य प्रबंधन के लिये विनियामक और कानूनी ढाँचे, जागरूकता एवं अनुपालन की कमी का सामना करना पड़ता है। यह क्षेत्र की स्थिरता और प्रतिस्पर्द्धात्मकता को प्रभावित करता है।

मत्स्य पालन क्षेत्र से संबंधित अन्य पहल:

- सागर परिक्रमा
- 'पाक बे' योजना
- मत्स्यपालन एवं जलीय कृषि अवसंरचना विकास कोष (FIDF)

नीली क्रांति:

दृष्टि The Vision

- **परिचय:**
    - अपनी बहुआयामी गतिविधियों के साथ नीली क्रांति मुख्य रूप से अंतर्देशीय और समुद्री दोनों, जलीय कृषि **तथा मत्स्य संसाधनों से मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित** है।
- **उद्देश्य:**
    - आर्थिक समृद्धि के लिये ज़िम्मेदार और टिकाऊ तरीके से **समग्र मत्स्य उत्पादन में वृद्धि करना**।
    - **नई प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान** देकर मत्स्य पालन का आधुनिकीकरण करना।
    - भोजन एवं पोषण सुरक्षा **सुनिश्चित** करना।
    - **रोज़गार और निर्यात आय उत्पन्न** करने के लिये **समावेशी विकास** सुनिश्चित करना।
    - **मछुआरों और जलीय कृषि के किसानों को सशक्त** बनाना।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना (KCC) :

- **विषय:**
    - यह **योजना वर्ष 1998** में किसानों को उनकी खेती हेतु बीज, उर्वरक, कीटनाशकों आदि जैसे कृषि आदानों की खरीद जैसी अन्य ज़रूरतों के लिये लचीली और सरलीकृत प्रक्रियाओं के साथ **एकल खिड़की के अंतर्गत बैंकिंग प्रणाली से पर्याप्त और समय पर ऋण सहायता प्रदान करने के लिये प्रारंभ** की गई थी ताकि किसान **फसल उत्पादन हेतु आवश्यकताओं के अनुसार नकदी निकाल** सकें।
        - इस योजना को **वर्ष 2004 में कृषि संबद्ध और गैर-कृषि गतिविधियों हेतु किसानों की निवेश ऋण आवश्यकता के लिये आगे बढ़ाया** गया था।
        - बजट वर्ष 2018-19 में सरकार ने मत्स्य पालन और पशुपालन करने वाले किसानों को उनकी**कार्यशील पूंजी की ज़रूरतों को पूरा करने में सहायता प्रदान करने के लिये KCC की सुविधा के विस्तार की घोषणा** की।
- **कार्यान्वयन एजेंसियाँ:**
    - वाणिज्यिक बैंक
    - क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB)
    - लघु वित्त बैंक
    - सहकारी समितियाँ

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????

प्रश्न. किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत निम्नलिखित में से किन-किन उद्देश्यों के लिये कृषकों को अल्पकालीन ऋण समर्थन उपलब्ध कराया जाता है? (2020)

1. फार्म परिसंपत्तियों के रख-रखाव हेतु कार्यशील पूंजी के लिये
2. कंबाइन कटाई मशीनों, ट्रैक्टर एवं मिनी ट्रकों के क्रय के लिये
3. फार्म परिवारों की उपभोग आवश्यकताओं के लिये
4. फसल कटाई के बाद के खर्चों के लिये
5. परिवार हेतु घर का निर्माण तथा गाँव में शीतागार सुविधा की स्थापना के लिये

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1, 2 और 5
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 3, 4 और 5
(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. भारत में स्वतंत्रता के बाद कृषि में आई विभिन्न प्रकार की क्रांतियों को स्पष्ट कीजिये। इन क्रांतियों ने भारत में गरीबी उन्मूलन और खाद्य सुरक्षा में किस प्रकार सहायता प्रदान की है? (2017)

प्रश्न. नीली क्रांति को परिभाषित करते हुए भारत में मत्स्यपालन की समस्याओं और रणनीतियों को समझाइये। (2018)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pradhan-mantri-matsya-sampada-yojana-2

दृष्टि The Vision